



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ३०]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई २७, १९६८ (श्रावण ५, १८९०)

No. 30]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 27, 1968 (SRAVANA 5, 1890)

इस भाग में मिल पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

नोटिस NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र २४ जून १९६८ तक प्रकाशित किये गये हैं :—

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 24th June 1968 :—

संक	संख्या और तारीख	द्वारा जारी किया गया	विषय
Issue No	No. and Date	Issued by	Subject

— Nil —

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तारीख से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the *Gazette Extraordinary* mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these *Gazettes*.

विषय-सूची (CONTENTS)

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 559	भाग II—खंड 3—उप-खंड (2)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	पृष्ठ 3497
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	801	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	339
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	619
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	647	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें	291
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	89
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रवर समितियों की रिपोर्टें	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं	223
भाग II—खंड 3—उप-खंड (1)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	1749	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें	137
		पूरक संख्या 30—	
		20 जुलाई 1968 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट	1241
		29 जून 1968 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जम्म, तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़े	1255

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	Page 559	PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (II)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	Page 3497
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	801	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	339
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	619
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	647	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta	291
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	89
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	223
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules, (including orders, bye-laws, etc., of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	1749	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	137
		SUPPLEMENT No. 30—	
		Weekly Epidemiological Reports for week-ending 20th July 1968	1241
		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week-ending 29th June 1968	1255

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय की छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित प्रविसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1968

सं० 47-प्रेज/68—राष्ट्रपति भारत तिब्बत सीमा पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री सुन्दर लाल,
नायक सं० 2577,
दूसरी बटालियन,
भारत तिब्बत सीमा पुलिस।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

समुद्र से 10,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित एक सीमा चौकी की रक्षा के लिये भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की एक प्लाटून नायक सुन्दर लाल की कमान में बद्रीनाथ के निकट माना, जिला चमोली (उत्तर प्रदेश) में लगाई गई थी। पुलिस कर्मचारियों को तीन स्थानीय स्कूलों में ठहराया गया। 29 जनवरी, 1968 को सायं लगभग साढ़े पांच बजे माना क्षेत्र में एक जोरदार आंधी चली और साथ-साथ एक जबर्दस्त बर्फीला तूफान आया जिसके फलस्वरूप भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के ठिकाने बर्फ में धंस गये और उनमें ठहरे सभी कर्मचारी, जिनकी संख्या 20 थी, दब गये। तथापि नायक सुन्दर लाल ढाई घंटे बाद ढेर में से निकलने में सफल हो गया परन्तु अन्य सभी वहीं दबे रहे। अपने सम्मुख खड़ी कठिन परिस्थितियों तथा आघात एवं धावों के होते हुए भी नायक सुन्दर लाल ने बचाव कार्य करने का निर्णय किया और एक कांस्टेबल को बर्फ के ढेर से जीवित निकाल लेने में सफल हो गया। वह छाती तक गहरे बर्फ को लांघ कर भारत-तिब्बत सीमा चौकी की ओर गया और सहायता के लिए पुकारा। इसका कोई उत्तर न पाने पर वह लगभग 100 गज तक रेंग कर चौकी पर पहुंचा और उन्हें दुर्घटना की सूचना दी। इसके परिणाम स्वरूप तीन अन्य आदमियों को बचा लिया गया। यद्यपि नायक सुन्दर लाल पूर्णतया थक चुका था फिर भी वह उस समय तक बचाव कार्य में सहायता देता रहा जब तक कि उसे अस्पताल न भेज दिया गया।

यह नायक सुन्दर लाल द्वारा प्रदर्शित पहलशक्ति और साहस तथा उसकी कर्तव्य-निष्ठा ही थी जिसके कारण चार अमूल्य जानें बचा ली गईं।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस तथा अग्नि शमन सेवा पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया

जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 29 जनवरी, 1968 से दिया जायेगा।

सं० 48-प्रेज/68—राष्ट्रपति राजस्थान सशस्त्र कांस्टेबलरी के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री चन्दन सिंह,
हैड कांस्टेबल सं० 16,
1वीं बटालियन,
राजस्थान सशस्त्र कांस्टेबलरी।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

पाकिस्तानियों की तस्कर गतिविधियों को रोकने की दृष्टि से जम्मू एवं काश्मीर सीमा पर भारतीय क्षेत्र में 23/24 फरवरी, 1963 की रात को एक घात लगाई गई। राजस्थान सशस्त्र कांस्टेबलरी के एक पुलिस दल ने एक ऐसे स्थान पर मोर्चा लगाया जहाँ से पाकिस्तानी तस्करों के गुजरने की सम्भावना थी। राति के लगभग 2 बजे 3 पाकिस्तानी तस्कर पाकिस्तान के बामलू चक गांव से आते देखे गए। तस्करों में से दो घोड़ों पर सवार थे और एक पैदल चल रहा था। जब ये घुसपैठिये घात लगाए बैठे दल की अभिसीमा में आ गए तो पुलिस दल के अग्रिम सदस्यों ने उन्हें चुनौती दी। यह ज्ञात होने पर कि घुसपैठिये रिवालवरो से लैस हैं, छिपे दल के श्री चन्दन सिंह और कांस्टेबल रिचपाल सिंह खड़ी फसल के बीच में रेंग कर एक पाकिस्तानी घुसपैठिये तक जा पहुंचे जिसके हाथ में एक भरा हुआ रिवालवर था। तब श्री रिचपाल सिंह ने उसको पीछे से दबोच लिया और श्री चन्दन सिंह ने सामने से आकर उसे पकड़ लिया और उससे भरा हुआ रिवालवर छीन कर उसे निहत्था कर दिया। बाकी के दो तस्कर भी पुलिस दल के अन्य सदस्यों द्वारा पकड़ लिये गये।

इस घटना में श्री चन्दन सिंह ने महान साहस का प्रदर्शन किया और कर्तव्य के पालन में अपनी जान को जोखिम में डाला।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 24 फरवरी, 1963 से दिया जायेगा।

सं० 49 प्रेज/68—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश विशेष सशस्त्र दल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री बलराम दास,
असिस्टेंट कमाण्डेंट,
8वीं बटालियन,
विशेष सशस्त्र दल,
छिन्दवाड़ा (मध्य प्रदेश)।

श्री राम आसरे शुक्ल,
कम्पनी कमाण्डर, "सी" कम्पनी,
8वीं बटालियन,
विशेष सशस्त्र दल,
छिन्दवाड़ा (मध्य प्रदेश)।

श्री प्रह्लाद सिंह सेंगर,
पुलिस उप-निरीक्षक,
स्टेशन आफिसर, पोर्सा,
जिला मुरैना (मध्य प्रदेश)।

श्री हरी भजन गिरि,
हैड कांस्टेबल सं० 333,
"सी" कम्पनी,
8वीं बटालियन,
विशेष सशस्त्र दल,
छिन्दवाड़ा (मध्य प्रदेश)।

श्री आलन सिंह,
हैड कांस्टेबल सं० 548,
"ए" कम्पनी,
8वीं बटालियन,
विशेष सशस्त्र दल,
छिन्दवाड़ा (मध्य प्रदेश)।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

3 नवम्बर, 1966 को एक पुलिस दल ने पता लगाया कि कुख्यात डाकू राम लखन अपने गिरोह के सात सदस्यों सहित ग्राम सेंथरा, जिला मुरैना, में एक दुर्ग में छिपा हुआ है। गिरोह पर हमला करने वाले पुलिस दल को तीन भागों में विभक्त किया गया। श्री बलराम दास और श्री राम आसरे शुक्ल के नेतृत्व में दो पुलिस दलों को दुर्ग की दूसरी मंजिल पर चढ़ कर पश्चिम और पूर्व से हमला करने का आदेश दिया गया। तीसरे दल को, जिसका नेतृत्व श्री प्रह्लाद सिंह सेंगर, उप-निरीक्षक, कर रहे थे, दुर्ग के मुख्य द्वार के पास तैनात किया गया। जिस समय श्री बलराम दास और श्री राम आसरे शुक्ल दुर्ग पर चढ़े रहे थे तो डाकुओं ने उन पर गोलियों की बौछार शुरू कर दी। इसके बावजूद दोनों अधिकारियों ने दुर्ग की दूसरी मंजिल पर सफलतापूर्वक मोर्चा सम्भाल लिया। तब श्री बलराम दास के अधीन पुलिस दल ने डाकुओं पर एक हथ-गोला फेंका जिस पर वे अपने छुपने के स्थान से बाहर आने पर मजबूर हो गये। उसी समय योजना के अनुसार श्री प्रह्लाद सिंह

सेंगर ने मुख्य द्वार खोल कर डाकुओं पर हमला कर दिया। उसका सीधे डाकू नेता से सामना हो गया जिसने यह एक स्वचालित राईफल से उस पर गोली चला दी। श्री प्रह्लाद सिंह सेंगर के बाएं कंधे पर दो गोलियां लग गईं। यद्यपि वह गम्भीर रूप से घायल हो गया था, फिर भी वह डाकुओं पर गोलियां चलाता रहा और उसने हरी भजन गिरि तथा आलन सिंह, हैड कांस्टेबलों को सावधान कर दिया जिन्होंने बड़ी सूझबूझ से काम लेते हुए सामने आकर डाकुओं का मुकाबला किया। राम लखन को गोली से उड़ा दिया गया और गिरोह के अन्य सदस्य वापस दुर्ग में भाग गये परन्तु बाद में उन्हें भी मौत के घाट उतार दिया गया।

इस मुठभेड़ में इन पांचों अधिकारियों ने सौंपे गये कार्य को पूरा करने में उदाहरणीय साहस एवं उच्चस्तरीय कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 3 नवम्बर, 1966 से दिया जायेगा।

दिनांक 20 जुलाई 1968

सं० 50 प्रेज/68—राष्ट्रपति सीमा सुरक्षा दल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री बल बहादुर पुन,
नायक सं० 614,
84वीं बटालियन, सीमा सुरक्षा दल,
पंचगाम, आसाम।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

1 मार्च, 1966 को लगभग 300 विद्रोहियों ने मिजो पहाड़ियों में चावगंटे चौकी को घेर लिया जहां एक हथेलदार की अस्थाई कमान में एक प्लाटून थी। नायक बल बहादुर पुन उस प्लाटून के सैक्शन कमाण्डरों में से एक थे। विद्रोही संख्या में कहीं अधिक थे और स्वचालित शस्त्रों से लैस थे। सीमा सुरक्षा दल की प्लाटून ने पूरे दिन और रात डटकर मुकाबला किया। विद्रोहियों ने प्लाटून को आत्म-समर्पण करने को कहा और बचन दिया कि अगर ऐसा कर दें तो उनके साथ सद्व्यवहार किया जायेगा। परन्तु यह प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया गया। इस पर विद्रोहियों ने चौकी की सारी बाह्य संचार व्यवस्था नष्ट कर दी ताकि उनका गोला-बारूद तथा खाद्यान्न समाप्त हो जाए। दुर्गम भूभाग होने के कारण वहां वायुयान से रसद गिराना सम्भव नहीं था। इसके अतिरिक्त यदि वायुयान द्वारा रसद गिराई भी जाय तो विद्रोही गोला बारी शुरू कर देते थे। अपने व्यक्तिगत उहरण से नायक बल बहादुर पुन ने उस छोटे से दल का मनोबल ऊंचा बनाये रखा जिससे वह विद्रोहियों का मुकाबला करता रहा और अन्त में उन्हें भगा देने में सफल हो गया।

नायक बल बहादुर पुन ने व्यक्तिगत वीरता एवं कर्तव्य-निष्ठा का प्रेरणात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 1 मार्च 1966 से दिया जायेगा।

व० जे० मोर, राष्ट्रपति के उप-सचिव

लोक सभा सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1968

सं० 21/3/68/टी०—श्रीमती विजय लक्ष्मी पंडित ने, जो कि उत्तर प्रदेश के फूलपुर निर्वाचन-क्षेत्र से लोक-सभा की निर्वाचित सदस्य थीं, 8 जुलाई 1968 से लोक सभा में अपने स्थान से त्यागपत्र दे दिया है।

श्यामलाल शकधर, सचिव

वित्त मंत्रालय

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1968

प्रस्ताव

सं० 13(13)—ई०/(ए०)/67—भारत सरकार ने निश्चय किया है कि 30 मार्च 1967 के प्रस्ताव संख्या 1-34/66-प्रशासन I द्वारा संस्थापित वस्तु सूची (इन्वेंटरी) नियंत्रक समिति का कार्यकाल 1 जुलाई 1968 से और चार महीने के लिये बढ़ा दिया जाय। समिति अब अपनी रिपोर्ट 31 अक्टूबर 1968 तक प्रस्तुत करेगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि प्रस्ताव की एक एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों, प्रधान मंत्री के सचिवालय, मंत्रीमंडल सचिवालय आदि को भेजी जाय।

यह भी आदेश दिया जाता है कि प्रस्ताव सामान्य सूचना के लिये भारत के गजट में प्रकाशित किया जाय।

एस० वासुदेवन, संयुक्त सचिव

इस्पात, खान तथा धातु मंत्रालय

(खान तथा धातु विभाग)

संकल्प

नई दिल्ली, दिनांक 9 जुलाई 1968

सं० को० 5-12(8)/68—इस्पात संयंत्रों तथा कोयला धावन-शालाओं को विभिन्न कोयला खानों द्वारा दिये जा रहे कोयले के गुण-नियन्त्रण का प्रश्न पिछले कुछ समय से सरकार के विचाराधीन रहा है।

2. कोयला उद्योग तथा इस्पात संयंत्रों के प्रतिनिधियों के साथ दिनांक 8 जुलाई 1968, को हुई बातचीत के परिणाम-स्वरूप भारत सरकार ने प्रतिचयन के प्रश्न पर विचार करने के लिए एक समिति स्थापित करने का निश्चय किया है। समिति के निम्नलिखित सदस्य होंगे।

संयोजक

1. श्री के० एस० आर० चारी,
कोयला खनन सलाहकार,
भारत सरकार।

सदस्य

2. श्री हरि भूषण,
प्रवर औद्योगिक सलाहकार,
भारत सरकार।
3. डा० बी० एन० सिंह,
निदेशक,
भारतीय मानक संस्था।
4. केन्द्रीय ईंधन गवेषणाशाला,
का एक प्रतिनिधि।
5. श्री जी० डी० घटक,
उप कोयला नियन्त्रक (उत्पादन),
कलकत्ता।
6. कोयला उद्योग के तीन प्रतिनिधि।
7. इस्पात संयंत्रों, अर्थात् हिन्दुस्तान स्टील लि०, टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लि० तथा इंडियन आयरन एंड स्टील कम्पनी लि०, के तीन प्रतिनिधि।
3. समिति का निर्देश-पद निम्नलिखित होगा :
“प्रतिचयन की ऐसी विधि प्रस्तुत करना जो कोयला तथा इस्पात दोनों उद्योगों को स्वीकार्य हो। इस प्रकार के सूत्र को ढूँढने में असफल होने की अवस्था में, समिति सरकार को अपना प्रतिवेदन देगी, जिस में ऐसे सूत्र की सिफारिश होगी जो समिति के निर्णय के अनुसार दोनों उद्योगों के लिए न्यायसंगत होगा।”
4. समिति अपना प्रतिवेदन भारत सरकार इस्पात, खान तथा धातु मन्त्रालय (खान तथा धातु विभाग), नई दिल्ली, को तीन महीने की अवधि में प्रस्तुत करेगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रतिलिपि सभी सम्बन्धितों को भेजी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

नि० च० श्रीवास्तव, सचिव

शिक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1968

सं० 12-3/65-सी० ए० I(3)—शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के संकल्प सं० एफ० 12-3/65 सी० 3 दिनांक 28 मार्च, 1966 के पैरा I(VI) के अनुसरण में डा० मुल्क राज आनन्द द्वारा ‘मार्ग प्रकाशन’ आर्मी नेवी विल्डिंग, महात्मा गांधी रोड, बम्बई-1 को श्री जी० वेंकटालक्ष्म की मृत्यु के कारण हुए आकस्मिक रिक्त स्थान में ललित कला अकादमी के नामित व्यक्ति के रूप में केन्द्रीय संग्रहालय सलाहकार बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया है।

डा० मुल्कराज की नियुक्ति की अवधि 27 मार्च, 1969 को समाप्त होगी।

पी० गांगुली, उप-सचिव

**श्रम, रोजगार तथा पुनर्वासि मंत्रालय
(पुनर्वासि विभाग)**

संकल्प

नई दिल्ली-11, दिनांक 15 जुलाई 1968

सं० 25(1)/67-आर० एल०-I—श्रम, रोजगार तथा

पुनर्वासि मंत्रालय (पुनर्वासि विभाग) के संकल्प संख्या 25(1)/67-आर० एल० I दिनांक 19-2-1968 के पैरा 7 का अधिक्रमण करते हुए यह निर्णय किया गया है कि पूर्वी पाकिस्तान आदि से आने वाले लोगों के लिए प्रव्रजन प्रमाण-पत्र जारी करने की पद्धति की समीक्षा करने के लिए गठित अंतर्विभागीय समिति अपनी सिफारिशें सरकार को दिसम्बर 1968 के अन्त तक देगी।

एस० के० गंगोपाध्याय, संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 16th July 1968

No. 47-Pres./68.—The President is pleased to award the President's Police and Fire Services Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Indo-Tibetan Border Police :—

Name of the officer and rank

Shri Sunder Lal,
Naik No. 2577,
2nd Battalion,
Indo-Tibetan Border Police.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

An Indo-Tibetan Border Police Platoon under the command of Naik Sunder Lal was deployed at Mapa, near Badrinath in District Chamoli (Uttar Pradesh) to provide protection to a border post located at a place over 10,000 feet above sea level. The police personnel were housed in the three local school buildings. At about 5-30 p.m. on January 29, 1968 a very strong blizzard swept over the Mana area and, in its wake, brought an enormous snow-drift, engulfing and crushing the Indo-Tibetan Border Police buildings, and burying all the personnel numbering 20. Naik Sunder Lal was, however, able to extricate himself from the debris after 2½ hours while the others still remained under the debris. In spite of the difficult conditions around him and the shock and injuries he had suffered, Naik Sunder Lal resolved to start rescue work and was successful in pulling out a constable alive from under the debris. He waded through chest-deep snow towards the Indo-Tibetan Border post and shouted for help. Having failed to get any response he crawled to the post about 100 yards away and informed the men there of the disaster. As a result three more persons were rescued. Although Naik Sunder Lal was completely exhausted he continued to give assistance to the rescue party until he was removed to the hospital.

It was only due to the initiative and courage shown by Naik Sunder Lal and his devotion to duty that four valuable lives were saved.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 29th January, 1968.

No. 48-Pres./68.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Rajasthan Armed Constabulary :—

Name of the officer and rank

Shri Chandan Singh,
Head Constable No. 16,
1st Battalion,
Rajasthan Armed Constabulary.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

With a view to checking the smuggling activities of Pakistanis, an ambush was laid on the night of 23rd/24th February, 1963, inside Indian territory on the border of

Jammu and Kashmir. A Police party belonging to the 1st Battalion, Rajasthan Armed Constabulary, took position at a place through which the Pakistani smugglers were expected to pass. At about 0200 hours three Pakistani smugglers were seen coming from village Bamlu Chak of Pakistan. Two of the smugglers were on horses and one of them was on foot. When these intruders came within the range of the ambush party, the forward members of the Police party challenged them. Finding that the intruders were armed with revolvers, Shri Chandan Singh and Constable Rich Pal Singh of the ambush party began to crawl through the standing crops till they reached one of the Pakistani intruders, who was holding a loaded revolver in his hand. While Shri Rich Pal Singh grabbed him from behind, Shri Chandan Singh came from the front side and caught and disarmed him of the loaded revolver. The other two smugglers overpowered by other members of the Police party.

In this incident, Shri Chandan Singh showed great courage and risked his life in the discharge of his duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 24th February, 1963.

No. 49-Pres./68.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Special Armed Force of Madhya Pradesh :—

Names of the officers and ranks

Shri Balram Das,
Assistant Commandant,
8th Battalion, Special Armed Force,
Chhindwara,
Madhya Pradesh.

Shri Ram Asre Shukla,
Company Commander,
'C' Company, 8th Battalion,
Special Armed Force,
Chhindwara,
Madhya Pradesh.

Shri Prahalad Singh Sengar,
Sub-Inspector of Police,
Station Officer, Porsa,
District Morena,
Madhya Pradesh.

Shri Hari Bhajan Giri,
Head Constable No. 333,
'C' Company, 8th Battalion,
Special Armed Force,
Chhindwara,
Madhya Pradesh.

Shri Alan Singh,
Head Constable No. 548,
'A' Company, 8th Battalion,
Special Armed Force,
Chhindwara,
Madhya Pradesh.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 3rd November, 1966, the notorious dacoit Ram Lakhan along with seven members of his gang was located by a Police party in a fortress in village Senthra, District Morena. For launching an offensive against the gang the Police party was divided into three groups. Two groups led by Shri Balram Das and Shri Ram Asre Shukla were detailed to climb up to the second storey of the fortrees and launch an attack from the western and eastern sides of the building respectively. The third group led by Shri Prahalad Singh Sengar, Sub-Inspector, was positioned near the main gate of the fortress. While Shri Balram Das and Shri Ram Asre Shukla were climbing up the fortress, the dacoits opened a barrage of fire on them. In spite of this, the two officers successfully took up their positions in the second storey of the fortress. The Police party under the command of Shri Balram Das then threw a hand grenade at the dacoits which forced them to come out of their hide-out. Simultaneously Shri Prahalad Singh Sengar opened the main gate according to plan and launched an offensive on the dacoits. He was directly confronted by the dacoit leader who fired at him with an automatic rifle. Two bullets struck Shri Prahalad Singh Sengar in the left shoulder. Though seriously injured, he continued firing on the dacoits and warned Head Constables Hari Bhajan Giri and Alan Singh, who, acting with great presence of mind, came forward and engaged the dacoits. Ram Lakhan was shot dead and other members of the gang retreated into the fortress but were killed later.

In this encounter, these five officers exhibited exemplary courage and a high sense of duty in the performance of the tasks assigned to them.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 3rd November, 1966.

The 20th July 1968

No. 50-Pres./68.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of

the Border Security Force :—

Name of the officer and rank
Shri Bal Bahadur Pun,
Naik No. 614,
84th Battalion, Border Security Force,
Panchgram.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 1st March, 1966, about 300 hostiles surrounded the Chawngte post in Mizo hills which had a force of one platoon under the temporary command of a Havildar. Naik Bal Bahadur Pun was one of the Section Commanders of the platoon. The hostiles were far superior in numbers and were armed with automatic weapons. The Border Security Force platoon offered stubborn resistance throughout the day and night. The hostiles called on the platoon to surrender, promising good treatment if they did so, but the offer was rejected. The hostiles cut off all land communications to the post in order that it might run out of ammunition and food supplies. It was not possible to drop supplies by air because of the difficult terrain. Besides the hostiles opened fire whenever any supplies were dropped from the air. By his personal example Naik Bal Bahadur Pun kept up the morale of the small force so that it continued to offer resistance to the hostiles and finally succeeded in driving them away.

Naik Bal Bahadur Pun set an inspiring example of personal bravery and devotion to duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 1st March, 1966.

V. J. MOORE, Dy. Secy. to the President

LOK SABHA SECRETARIAT

New Delhi-1, the 15th July 1968

No. 21/3/68/T.—Shrimati Vijaya Lakshmi Pandit, elected Member of Lok Sabha from Phulpur Constituency of Uttar Pradesh, has resigned her seat in Lok Sabha with effect from the 8th July, 1968.

S. L. SHAKDHER, Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-11, the 10th July 1968

No. 61/3/67-Poll. I(B).—The following statement showing the number of persons in detention under the Preventive Detention Act, 1950 (4 of 1950) in various States as on the 31st December, 1967, is published for general information:—

Name of the State	Number of persons in detention under the Preventive Detention Act, 1950 on the 31st December, 1967					
	Detained under section 3(1) (a) Clause				Detained under section 3(1)(b)	Grand Total
	(i)	(ii)	(iii)	Total of columns 2,4		
1	2	3	4	5	6	7
1. Andhra Pradesh
2. Bihar	4	8	12	..	12
3. Gujarat	4	..	4	..	4
4. Haryana
5. Kerala
6. Madhya Pradesh	5	..	5	..	5
7. Madras
8. Maharashtra	4	..	4	..	4
9. Mysore
10. Nagaland
11. Orissa	1	8	9	..	9
12. Punjab	5*	5	..	5
13. Rajasthan
14. Uttar Pradesh	4†	..	4	..	4
15. West Bengal	928	298	1,226	..	1,226

1	2	3	4	5	6	7
16. Delhi
17. Himachal Pradesh
18. Goa, Daman & Diu
19. Manipur
20. Tripura
21. L.M. & A. Islands
22. Andaman & Nicobar Islands
23. Dadra & Nagar Haveli
24. Pondicherry
25. NEFA
26. Chandigarh
27. Central Government	1	1	..	1
TOTAL	6	950	314	1,270	..	1,270

NOTE.—Information regarding Assam will be published separately.

*These persons were also detained under section 3(1)(a)(ii).

†Out of these three persons were also detained under section 3(1) (a) (iii).

G. K. ARORA, Dy. Secy.

RESOLUTION

New Delhi-1, the 11th July 1968

No. 8/1/67-HSS.—The Government of India have been pleased to appoint Shri N. M. R. Subbaraman as a member of the Hindi Salahkar Samiti reconstituted under this Ministry's Resolution No. 8/1/67-HSS, dated 9th June 1967 in place of Shri Siddheshwar Prasad who has ceased to be a member.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments, Administrations of Union Territories, all the Ministries and Departments of the Government of India, President's Secretariat, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, Planning Commission, Comptroller and Auditor General, Accountant General, Central Revenues, New Delhi, the Lok Sabha Secretariat and the Rajya Sabha Secretariat.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

P. N. DHIR, Dy. Secy.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Expenditure)

RESOLUTION

New Delhi, the 4th July 1968

No. 13(13)-E.I.(A)/67.—The Government of India have decided to extend for a further period of 4 months with effect from 1st July 1968 the term of the Committee on Inventory Control constituted vide Resolution No. 1-34/66-Admn.I dated the 30th March 1967. The Committee will now submit its report by the 31st October 1968.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all Ministries and Departments of the Government of India, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat etc.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. VASUDEVAN, Jt. Secy.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

Company Law Board

New Delhi-1, the 16th July 1968

ORDER

No. 51/1/65-CL.II.—In pursuance of sub-clause (ii) of Clause (b) of sub-section (4) of Section 209 of the Companies

Act, 1956 (1 of 1956) the Company Law Board hereby authorises Shri S. M. Dugar, Senior Accounts Officer, Calcutta, an officer of the Government of India, in the Ministry of Industrial Development & Company Affairs (Department of Company Affairs) for the purposes of said section 209.

M. K. BANERJEE, Under Secy.
to the Company Law Board

MINISTRY OF STEEL, MINES AND METALS

(Department of Mines and Metals)

RESOLUTION

New Delhi, the 9th July 1968

No. C5-12(8)/68.—The question of quality control of coal supplied to the steel plants and the coal washeries from various collieries has been engaging the attention of the Government of India for some time past.

2. As a result of discussions held with the representatives of the coal industry and the steel plants on July 8, 1968, the Government of India have decided to set up a Committee to go into the problem of sampling. The Committee will consist of the following :—

Couvenier

1. Shri K. S. R. Chari,
Coal Mining Adviser,
Government of India.

Members

2. Shri Hari Bhushan,
Senior Industrial Adviser,
Government of India.
3. Dr. B. N. Singh,
Director,
Indian Standards Institution.
4. Representative of the Central Fuel Research Institute.
5. Shri G. D. Ghatak,
Deputy Coal Controller (Production),
Calcutta.
6. 3 representatives of coal industry.
7. 3 representatives of steel plants.
viz. Hindustan Steel Limited, Tata Iron & Steel Company Ltd., Indian Iron & Steel Company Ltd.
3. The term of reference of the Committee will be as follows :—

To evolve a method of sampling acceptable to both the coal and the steel industries. In the event of a failure to find such a formula, the Committee will submit its report to Government recommending a formula, which in its judgment will be fair to both the industries

4. The Committee will submit its report to the Government of India, Ministry of Steel, Mines & Metals, (Department of Mines and Metals), New Delhi, within a period of three months.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India.

N. C. SHRIVASTAVA, Secy.

MINISTRY OF HEALTH, FAMILY PLANNING & URBAN DEVELOPMENT

(Deptt. of Family Planning)

New Delhi, the 12th July 1968

No. 4-7/67-C&C(FP).—In continuation of the Government of India, Ministry of Health, Family Planning and Urban Development Notification No. 4-7/67-C&C(FP), dated the 5th March, 1968, regarding constitution of the Advisory Committee of Social Workers and Voluntary Organisations for the Family Planning Programme, it has been decided that Dr. Thakor V. Patel, M.D.F.I.C.S., Dean Faculty of Medicine, Vice President, Baroda Borough Municipality, Head of the Department of Obstetrics & Gynaecology, M.S. University, Baroda and Honorary Obstetrician and Gynaecologist, S.S.G. Hospital and Medical College, Baroda, shall also be a member of the Committee.

ORDER

ORDERED that a copy of the Notification be communicated to all the State Governments/Union Territories.

ORDERED further that the Notification be published in the Gazette of India for information.

K. N. SRIVASTAVA, Jt. Secy.

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Agriculture)

New Delhi-1, the 12th July 1968

No. 1-1/67-C.C.I.—The Director, Central Food Technological Research Institute, Mysore or his representative is nominated as a member of the Indian Arecanut Development Council under Clause III(g) of this Ministry's Resolution No. 1-1/67-C.C.I. dated the 8th December, 1967 reconstituting the said Council. The Director, Central Food Technological Research Institute will hereafter cease to be an "Observer" on the Council.

I. P. MATHUR, Dy. Secy.

MINISTRY OF EDUCATION

New Delhi, the 15th July 1968

No. F.12-3/65-CAI(3).—In pursuance of para 3 (vi) of the Government of India, Ministry of Education Resolution No. F.12-3/65-C.3 dated the 28th March, 1966, Dr. Mulok Raj Anand, C/o Marg Publications, Army-Navy Building, Mahatma Gandhi Road, Bombay-1, has been appointed as a member of the Central Advisory Board of Museums as a nominee of Lalit Kala Akademi in the casual vacancy caused by the death of Shri G. Venkatachalam. The term of this appointment of Dr. Mulok Raj Anand will expire on 27th March 1968.

P. GANGULEE, Dy. Secy.

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

RESOLUTION

New Delhi-11, the 12th July 1968

No. 24(1)/68-COR.—The Government of India have decided that the terms of reference of the Committee of Review of Rehabilitation Work in West Bengal set up, vide,

Government of India, Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation (Department of Rehabilitation) Resolution No. 5(21)/66-RE dated 6th January, 1967 would be extended to include the examination of the functioning of the Permanent Liability Homes and Infirmaries for displaced persons in West Bengal with reference to specified items.

2. In partial modification of the above-mentioned Resolution, the revised terms of reference of the Committee will, therefore, now be as follows :—

- (a) To evaluate the working and results of rehabilitation programmes/measures undertaken in West Bengal for the benefit of old migrants after the Residuary Assessment in 1961-62.
- (b) To consider the methods of stepping up the performance of the operational staff, the lines of re-orientation of existing schemes, patterns of assistance and modes of financing for ensuring speedy and effective rehabilitation of old migrants covered under the Residuary Assessment.
- (c) To recommend measures including financial assistance in respect of the old migrants for the following :—
 - (i) development of colonies;
 - (ii) acquisition of land for resettlement of P.L. Home families;
 - (iii) rehabilitation loans to those covered in the assessment of the Residuary Problem;
 - (iv) technical training and industrial schemes.
- (d) To assess the nature and magnitude of the problem created by 'new migrants' (migrants who have come to India after 1st January, 1964) who have remained in West Bengal and to recommend to the extent necessary, financial assistance for their technical training, employment, educational and medical facilities.
- (e) To examine the functioning of Homes and Infirmaries in West Bengal with particular reference to the following :—
 - (i) Introduction of economically oriented schemes for speedy rehabilitation of the rehabilitable Home families;
 - (ii) Existing patterns of expenditure on Homes/Infirmaries;
 - (iii) Measures for the education of children particularly beyond the middle standard; and
 - (iv) Arrangements for satisfactory accommodation of inmates of Homes and Infirmaries including repairs to existing structures.

NOTE :—In making their recommendations the Committee will pay due regard to the essential needs of the displaced people, prevailing standards of the general population and the available resources of the Government.

3. Other terms and conditions of the Government of India Resolution quoted above, as amended from time to time, will remain unaltered.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to :—

1. The Members of the Committee.
2. The Ministries/Departments of the Government of India.
3. The Planning Commission, the Prime Minister's Secretariat, the Cabinet Secretariat and Private and Military Secretariat to the President.
4. The Chief Secretaries to the State Governments/Union Territories.

ORDERED also that a copy of this Resolution be published in the Gazette of India for general information.

V. NANJAPPA, Secy.

RESOLUTION

New Delhi-11, the 15th July 1968

No. 25/1/67-RLI.—In supersession of para 7 of Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Rehabilitation) Resolution No. 25/1/67-RLI dated the 19th February, 1968, it has been decided that the Inter-Departmental Committee set up to review the system of issuing migration certificates from East Pakistan etc. will submit its recommendations to the Government by the end of December, 1968.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to :—

1. The Members of the Committee.

2. Ministry of External Affairs, New Delhi.

3. Ministry of Finance (L&R), New Delhi.

4. The Rehabilitation Secretaries to the Governments of Assam, Andhra Pradesh, Bihar, Madhya Pradesh, Maharashtra, Orissa, Uttar Pradesh, West Bengal and Tripura.

(As per list of addresses attached)

5. The Chief Commandant, Mana, Raipur (M.P.).

6. The Chief Commissioner, Andaman and Nicobar Islands, Port Blair.

7. The Secretary (P&D) NEFA, Shillong.

ORDERED also that a copy of this Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. K. GANGOPADHYAY, Jt. Secy.